SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल ज्ञान के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

ज्ञान — आधारभूत बाइबलीय सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

ज्ञान किसी व्यक्ति में जन्म से नहीं होता; उसे खोजना पड़ता है। और यह खोज एक चाल है। एक बालक एक दिन में नहीं चलता: पहले वह घुटनों के बल चलता है, और उसके लिए सब कुछ नया होता है; वह अपने पिता की आवाज़ और अपने पिता के मुख को पहचानने लगता है। तब उसे चलना सिखाया जाता है, कदम दर कदम, और वह चलता है, और घर की बनावट उसके लिए परिचित हो जाती है। तब वह बड़ा होता है, और वह दौड़ता है; और जो व्यक्ति अच्छी तरह दौड़ता है, वह एक दौड़ में दौड़ता है, और उस दौड़ का एक अंत होता है, और अंत में एक पुरस्कार होता है। परमेश्वर का ज्ञान वैसा ही है। इब्री शब्द है दाथ (H1847, ज्ञान), और यह यादा (H3045, जानना) से आता है — स्ट्रॉन्ग्स कहता है, देखकर उचित रूप से जानना, परिचित होना — यह एक परिचित मित्र का जानना है, केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं। यूनानी शब्द है ग्नोसिस (G1108, ज्ञान), जो गिनोस्को (G1097, जानना) से आता है। आरम्भ करने से पहले इसे ध्यान से देखिए: पवित्रशास्त्र में, ज्ञान सबसे पहले एक व्यक्ति को जानना है। यह अध्ययन ज्ञान को एक व्यक्ति की पूरी यात्रा भर ले चलता है: वह इसे कैसे पाता है जब वह केवल घुटनों के बल चल सकता है और इसके लिए पुकार सकता है; एक बार पाने के बाद वह इसके साथ क्या करता है; वह इसके साथ कैसे दौड़ता है, और परमेश्वर की सेना में एक सैनिक की तरह इसे भेंट चढ़ाता है; और अंतिम रेखा पर इसका क्या होता है, जहाँ वह वैसे ही जानेगा जैसे वह स्वयं जाना गया है, और जहाँ हमारे परमेश्वर का वचन सदा के लिए स्थिर रहता है। इसे खोज निकालिए।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. ज्ञान कहाँ पाया जाता है, और मनुष्य पहले-पहल इसे कैसे प्राप्त करता है?
2. ज्ञान प्राप्त करने के बाद व्यक्ति को उसके साथ क्या करना चाहिए, और दैनिक जीवन-यात्रा में इसे कैसे बनाए रखा जाता है?
3. यह दौड़ किस प्रकार समाप्त होती है — अंत में ज्ञान का क्या होता है, और कौन-सा वचन सदा तक बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **G1108 gnosis** — जानना (क्रिया); ज्ञान, विद्या
अनुग्रह में, और हमारे प्रभु के ज्ञान में बढ़ते जाओ

"जानना" — **G1097 ginosko** — जानना; अवगत होना, अनुभव करना, समझना
अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझे जानें

“ज्ञान” — **G1922 epignosis** — पूर्ण ज्ञान, स्वीकार करना
उसकी इच्छा के ज्ञान से परिपूर्ण

“जानना” — **G1921 epiginosko** — पूरी तरह से जानना, समझना, स्वीकार करना
तब मैं वैसे ही जानूँगा जैसा मैं जाना गया हूँ

“अध्ययन” — **G4704 spoudazo** — परिश्रम करना, प्रयास करना, श्रम करना
परमेश्वर के सामने अपने आप को स्वीकृत ठहराने के लिए अध्ययन करना

“सही रीति से काटना” — **G3718 orthotomeo** — सही रीति से काटना, सीधा काटना
सत्य के वचन को सही ढंग से विभाजित करना

“जानना” — **G1492 eido** — देखना, अनुभव करना, जानना
मैं जानता हूं कि मैंने किस पर विश्वास किया है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए यह शब्द किस प्रकार बना है। gnosis (G1108, ज्ञान) शब्द ginosko (G1097, जानना) से आया है, और स्ट्रॉन्स कहता है कि ginosko का अर्थ है पूर्णतः जानना — सचेत होना, अनुभव करना, समझना। और gnosis का शास्त्र में एक बड़ा साथी है: epignosis (G1922, ज्ञान), जो epiginosko (G1921, पूर्ण रूप से जानना) से आया है — स्ट्रॉन्स इसे पहचान, पूर्ण विवेचन, स्वीकृति कहता है। पहला है जानना; दूसरा है जानना जो पूर्ण बना दिया गया हो। इस अध्ययन के दौरान इन चिह्नों पर ध्यान दें: हम gnosis में बढ़ते हैं, हम epignosis से भर जाते हैं — और अंतिम रेखा पर, मैं वैसे ही जानूँगा जैसे मैं स्वयं जाना गया हूँ।)

हिब्रू मुख्य शब्द

“ज्ञान” — **H1847 daath** — ज्ञान; चतुराई, कौशल, बोध
यहोवा का भय मानना ज्ञान का आरम्भ है

“जानना” — **H3045 yada** — जानना; देखकर निश्चित करना; परिचित होना, स्वीकार करना
फिर हम जानेंगे, यदि हम यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते रहें

“समझ” — **H998 biynah** — समझ, ज्ञान, बुद्धि
समझ के लिए अपनी आवाज़ ऊँची करो

“अनुगमन करना” — **H7291 radaph** — पीछे चलना, पीछा करना, खदेड़ना
प्रभु को जानने का परिणाम

“संचय करना” — **H6845 tsaphan** — छिपाना, संचित करना, गुप्त रखना
ज्ञानी लोग ज्ञान को संचय करते हैं

“शक्ति” — **H3581 koach** — शक्ति, सामर्थ्य, बल
ज्ञान का पुरुष शक्ति बढ़ाता है

“रखना” — **H8104 shamar** — रखना, निगरानी करना, रक्षा करना, सुरक्षित रखना
याजक के होंठ ज्ञान की रक्षा करें

“दूत” — **H4397 malak** — दूत, स्वर्गदूत, राजदूत
वह सेनाओं के यहोवा का दूत है

“ज्ञान” — **H1844 deah** — ज्ञान
पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी

“सिखाया गया” — **H3928 limmud** — सिखाया गया, सीखा गया, शिष्य
यहोवा से शिक्षा पाए हुए तुम्हारे सब पुत्र होंगे

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दाथ (H1847, ज्ञान) यादा (H3045, जानना) से निकला है — और देआह (H1844, ज्ञान) इससे निकटता से संबंधित है, दोनों उसी एक मूल से आते हैं — और स्ट्रॉन्स कहता है कि यादा का उचित अर्थ है देखने के द्वारा जानना — किसी घनिष्ठ मित्र की भाँति परिचित होना। पुराने नियम में परमेश्वर का ज्ञान दूर की विद्या नहीं है; यह एक निकट जानना है। और ध्यान दीजिए कि यह शब्द जहाँ खड़ा है वहाँ क्यों खड़ा है: बुद्धि से घर बनता है, और समझ से वह स्थिर होता है, और ज्ञान से कोठरियाँ सब बहुमूल्य और मनोहर धन-सम्पत्ति से भर जाती हैं। बुद्धि घर बनाती है; दाथ कोठरियों को भरता है। ज्ञान वह धन है जो भीतर लाया जाता है।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से आरंभ होती है, और ज्ञान भी वैसे ही आरंभ होता है। कोई भी परमेश्वर को जानते हुए पैदा नहीं होता; उसे उसे ढूँढ़ना ही पड़ता है। और देखिए कि पुस्तक कहाँ कहती है कि ढूँढ़ना कहाँ से आरंभ होता है: यहोवा के भय से। एक शिशु उस चीज़ के लिए रोता है जो उसके पास नहीं है, और यहोवा ज्ञान की — दात (H1847, ज्ञान) — पुकार को उस तरह सुनता है जैसे एक पिता अपने ही बालक को सुनता है। पुकारो, ढूँढ़ो, खोजो: प्रतिज्ञा खोजनेवाले के लिए है, और देनेवाला परमेश्वर है।)

A. नीतिवचन 1:7 यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है; बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं। **[H1847 daath ⚑] [H7225 reshith ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय = ज्ञान का आरम्भ।

B. नीतिवचन 2:3 यदि तू प्रवीणता और समझ के लिये अति यत्न से पुकारे **[H998 biynah ⚑] [H7121 qara ⚑]**

यदि तू ज्ञान के लिये पुकारे + समझ के लिये अपनी आवाज़ ऊंची करे।

C. नीतिवचन 2:4 और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े, और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44) **[H2664 chaphas ⚑] [H1245 baqash ⚑]**

उसे चांदी के समान खोजो + उसे गुप्त धन के समान ढूंढो।

D. नीतिवचन 2:5 तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा। **[H1847 daath ⚑] [H4672 matsa ⚑]**

तब तू यहोवा के भय को समझेगा + परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — रेंगने के क्रम को देखिए: पुकारना, अपनी आवाज़ उठाना, खोजना, तलाश करना — फिर पाना। और शास्त्र B में टैग देखिए: वहाँ शब्द है बीनाह (H998, समझ)। ज्ञान के लिए पुकार और समझ के लिए पुकार एक ही पुकार है। जो व्यक्ति ज्ञान को उस तरह खोजता है जैसे लोग चांदी को खोजते हैं, वह चांदी से भी बड़ा खजाना पाएगा: परमेश्वर का ज्ञान।)

E. नीतिवचन 2:6 क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है; ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5) **[H1847 daath ⚑] [H5414 nathan ⚑]**

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है + ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5.

F. याकूब 1:5 पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से माँगो, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसको दी जाएगी। **[G1325 didomi ⚑] [G154 aiteo ⚑]**

वह परमेश्वर से मांगे, जो सब को खुले हाथों देता है + तो उसे दिया जाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान और याकूब को साथ-साथ रखें: एक कहता है, यहोवा बुद्धि देता है; दूसरा कहता है, परमेश्वर से मांगो, जो सभी को उदारता से देता है। पाना कोई खरीद नहीं है। उसके मुख से ज्ञान निकलता है; खोजने वाला तो केवल खुले हाथों से पाने वाला है।)

G. नीतिवचन 18:15 समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है; और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं। **[H1847 daath ⚑] [H7069 qanah ⚑]**

समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है + और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं.

H. भजन संहिता 94:10 जो जाति-जाति को ताड़ना देता, और मनुष्य को ज्ञान सिखाता है, क्या वह न सुधारेगा? **[H1847 daath ⚑] [H3925 lamad ⚑]**

और मनुष्य को ज्ञान सिखाता है, क्या वह न सुधारेगा?

I. भजन संहिता 25:9 वह नम्र लोगों को न्याय की शिक्षा देगा, हाँ, वह नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखलाएगा। **[H3925 lamad ⚑] [H6035 anav ⚑]**

वह नम्र लोगों को न्याय की शिक्षा देगा + वह नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखलाएगा.

J. होशे 6:3 आओ, हम ज्ञान ढूँढ़े, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा के समान हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिससे भूमि सींचती है।" **[H7291 radaph ⚑] [H3045 yada ⚑]**

तब हम जानेंगे + यदि हम यहोवा को जानने के लिये लगे रहें।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह रहा बालक की पहली गति: वह पीछे चलता है। रादाफ़ (H7291, पीछा करना) यह शब्द स्ट्रॉन्ग का है जो किसी वस्तु के पीछे कठोरता से दौड़ने के लिए प्रयोग होता है। शिशु अपने पिता को घर भर में उसके पीछे-पीछे चलकर पहचानता है। यहोवा को जानना भी ऐसा ही है: यह एक दिन में नहीं पाया जाता, परन्तु उसे दिया जाता है जो पीछे चलता रहता है।)

K. यूहन्ना 7:17 यदि कोई उसकी इच्छा पर चलना चाहे, तो वह इस उपदेश के विषय में जान जाएगा कि वह परमेश्वर की ओर से है, या मैं अपनी ओर से कहता हूँ। **[G1322 didache ⚑] [G1097 ginosko ⚑]**

यदि कोई उसकी इच्छा पर चलना चाहे → तो वह इस उपदेश के विषय में जान जाएगा।

L. मत्ती 11:29 मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो; और मुझसे सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ: और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। **[G2147 heurisko ⚑] [G3129 manthano ⚑]**

मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो + और मुझसे सीखो → और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — घुटनों के बल चलना एक व्यक्ति पर जाकर समाप्त होता है। प्रभु यह नहीं कहते, केवल मेरी पुस्तक से सीखो; वे कहते हैं, मुझसे सीखो। और करना जानने से पहले आता है — यदि कोई उसकी इच्छा को पूरा करने के लिए तैयार है, तो वह उस शिक्षा के विषय में जान जाएगा — जिस तरह एक बच्चा चलना समझने से पहले चलता है। अब जब तुमने उसे पा लिया है, तो उठो और चलो।)

II. चलना — जब यह तेरे पास हो तब इसके साथ क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शिशु अपने पैरों पर खड़ा हो गया है; अब बात है उसे बनाए रखने की। जो ज्ञान पाया गया है उसे संचित करना होगा, और जो ज्ञान संचित किया गया है उसे जीवन में उतारना होगा। साक्षियों में इस चरण के दो कार्यों पर ध्यान दें: उसे बढ़ाना, और उसे बनाए रखना। और बीच में रखी गई चेतावनी पर भी ध्यान दें: जो ज्ञान अकेला रखा जाता है वह मनुष्य को फुला देता है; जो ज्ञान प्रेम के साथ रखा जाता है वह उसे और उसके साथ उसके भाई को भी उन्नत करता है।)

A. 2 पतरस 3:18 पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन। **[G1108 gnosis ⚑] [G837 auxano ⚑]**

अनुग्रह में + हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ते जाओ।

B. 2 पतरस 1:5 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ **[G1108 gnosis ⚑] [G4710 spoude ⚑]**

सारी रीति से प्रयत्न करके + अपने विश्वास में सद्गुण बढ़ाओ + और सद्गुण में ज्ञान।

C. नीतिवचन 10:14 बुद्धिमान लोग ज्ञान का संग्रह करते है, परन्तु मूर्ख के बोलने से विनाश होता है। **[H1847 daath ⚑] [H6845 tsaphan ⚑]**

बुद्धिमान लोग ज्ञान का संग्रह करते है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — tsaphan (H6845, संचय करना) यह स्ट्रॉन्ग का शब्द है जो किसी खजाने को छिपाने के लिए है। यह भजन का ही वह शब्द है, तेरा वचन मैंने अपने हृदय में छिपा रखा है। बुद्धिमान मनुष्य ज्ञान को वहाँ संचित करता है जहाँ कोई चोर नहीं पहुँच सकता: अपने ही भीतर। हृदय इस खजाने के लिए पात्र है।)

D. नीतिवचन 15:14 समझनेवाले का मन ज्ञान की खोज में रहता है, परन्तु मूर्ख लोग मूर्खता से पेट भरते हैं। **[H1847 daath ⚑] [H1245 baqash ⚑] [H3820 leb ⚑]**

समझनेवाले का मन ज्ञान की खोज में रहता है.

E. कुलुस्सियों 1:9 इसलिए जिस दिन से यह सुना है, हम भी तुम्हारे लिये यह प्रार्थना करने और विनती करने से नहीं चूकते कि तुम सारे आत्मिक ज्ञान और समझ सहित परमेश्वर की इच्छा की पहचान में परिपूर्ण हो जाओ **[G1922 epignosis ⚑] [G4137 pleroo ⚑]**

उसकी इच्छा के ज्ञान से परिपूर्ण + सारे ज्ञान और आत्मिक समझ में।

F. कुलुस्सियों 1:10 ताकि तुम्हारा चाल-चलन प्रभु के योग्य हो, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो, और तुम में हर प्रकार के भले कामों का फल लगे, और परमेश्वर की पहचान में बढ़ते जाओ **[G1922 epignosis ⚑] [G837 auxano ⚑] [G4043 peripateo ⚑]**

प्रभु के योग्य चाल चलो कि हर बात में उसे भाएं + परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ते जाएं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैग देखिए, और बड़े शब्द पर ध्यान दीजिए। पतरस में यह ज्ञानोसिस (G1108, ज्ञान) था, जानना; यहाँ यह एपिग्नोसिस (G1922, ज्ञान) है, जिसे स्ट्रॉन्स पहचान, पूर्ण विवेक, स्वीकृति कहता है — वह जानना जो पूर्ण बना दिया गया हो। और देखिए यह कैसे पूर्ण होता जाता है: योग्य चाल चलना, फलवंत होना, और वृद्धि उस चलने में ही आती है। ज्ञान किसी आसन पर रखा नहीं रहता; वह मार्ग पर बना रहता है।)

G. फिलिप्पियों 1:9 और मैं यह प्रार्थना करता हूँ, कि तुम्हारा प्रेम, ज्ञान और सब प्रकार के विवेक सहित और भी बढ़ता जाए **[G1922 epignosis ⚑] [G4052 perisseuo ⚑]**

ताकि तुम्हारा प्रेम ज्ञान और सब प्रकार की समझ में उत्तरोत्तर बढ़ता जाए।

H. 1 कुरिन्थियों 8:1 अब मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में हम जानते हैं, कि हम सब को ज्ञान है: ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से उन्नति होती है। **[G3618 oikodomeo ⚑] [G1108 gnosis ⚑]**

ज्ञान फुलाता है + प्रेम बढ़ाता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ पूरे मंच की चेतावनी खड़ी है। ज्ञान, अपने आप में रखा जाए, तो फुला देता है, जैसे हवा मशक को फुला देती है; परन्तु प्रेम बनाता है, जैसे मनुष्य घर बनाता है। और पौलुस प्रार्थना करता है कि प्रेम ज्ञान में अधिकाधिक बढ़ता जाए — प्रेम ज्ञान को लिए हुए, और ज्ञान प्रेम के भीतर थमा हुआ। दोनों के साथ चलो, नहीं तो चाल टेढ़ी हो जाती है।)

I. नीतिवचन 3:6 उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा। **[H3474 yashar ⚑] [H3045 yada ⚑]**

उसी को स्मरण करके सब काम करना + तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग यहाँ एक पंक्ति में है। स्वीकार करना है यादा (H3045, जानना): उसे अपने सभी मार्गों में जानो — खेत में, घर में, फाटक पर — और वह तुम्हारे सामने के मार्ग को सीधा कर देता है।)

J. भजन संहिता 119:66 मुझे भली विवेक-शक्ति और समझ दे, क्योंकि मैंने तेरी आज्ञाओं का विश्वास किया है। **[H1847 daath ⚑] [H3925 lamad ⚑]**

मुझे भली विवेक-शक्ति और समझ दे + क्योंकि मैंने तेरी आज्ञाओं का विश्वास किया है.

K. होशे 4:6 मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नाश हो गई; तूने मेरे ज्ञान को तुच्छ जाना है, इसलिए मैं तुझे अपना याजक रहने के अयोग्य ठहराऊँगा। इसलिए कि तूने अपने परमेश्वर की व्यवस्था को त्याग दिया है, मैं भी तेरे बाल-बच्चों को छोड़ दूँगा। **[H1847 daath ⚑] [H1820 damah ⚑]**

मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नाश हो गई.

L. नीतिवचन 24:5 वीर पुरुष बलवान होता है, परन्तु ज्ञानी व्यक्ति बलवान पुरुष से बेहतर है। **[H3581 koach ⚑] [H1847 daath ⚑]**

परन्तु ज्ञानी व्यक्ति बलवान पुरुष से बेहतर है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोनों पक्षों को सुनो, और उनके बीच चलो। जहाँ ज्ञान को त्याग दिया जाता है, वहाँ एक जाति नष्ट हो जाती है; जहाँ ज्ञान को सुरक्षित रखा जाता है, वहाँ एक व्यक्ति बल पाता है — कोआख (H3581, बल)। ज्ञान को सुरक्षित रखना कोई छोटी बात नहीं है: यह एक जाति के लिए जीवन है और एक व्यक्ति के लिए बल है। और यह बल किसी उद्देश्य के लिए दिया जाता है। एक दौड़ है जिसे दौड़ना है।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब चाल एक दौड़ बन जाती है, और दौड़ एक युद्ध बन जाती है। ध्यान दें कि इन गवाहियों में युद्ध किस बात पर लड़ा जा रहा है: हर ऊँची बात परमेश्वर के ज्ञान के विरुद्ध सिर उठाती है — यहाँ युद्ध का मैदान स्वयं ज्ञान है। इसलिए परमेश्वर का जन आत्मा की तलवार लेता है, अपने मुख पर ज्ञान बनाए रखता है, और नम्रता और आदर के साथ अपना उत्तर देता है। सैनिक वही अर्पित करता है जो उसने संचित कर रखा है।)

A. 2 कुरिन्थियों 10:4 क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। **[G4752 strateia ⚑] [G3696 hoplon ⚑]**

क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं + पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं.

B. 2 कुरिन्थियों 10:5 हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं। **[G3540 noema ⚑] [G1108 gnosis ⚑]**

कल्पनाओं को गिराकर + हर एक ऊंची बात को जो परमेश्वर के ज्ञान के विरुद्ध खड़ी की जाती है + हर एक विचार को बंधुआ करके।

C. 2 कुरिन्थियों 4:6 इसलिए कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, "अंधकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो। (यशा. 9:2) **[G1108 gnosis ⚑] [G5457 phos ⚑]**

परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश + यीशु मसीह के मुख में।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सिपाही एक ज्योति लिए हुए है, न कि केवल एक तलवार। वही परमेश्वर जिसने आरम्भ में अन्धकार में से ज्योति चमकने की आज्ञा दी, उसने हमारे हृदयों में चमक दी है; और जो ज्योति वह देता है वह उसकी महिमा के ज्ञान की ज्योति है, यीशु मसीह के मुख पर। जिस व्यक्ति ने उस मुख को देखा है, उसके पास उन लोगों को देने के लिए कुछ है जो अन्धकार में बैठे हैं।)

D. इफिसियों 6:17 और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। (यशा. 49:2, इब्रा. 4:12, यशा. 59:17) **[G4487 rhema ⚑] [G3162 machaira ⚑]**

मुक्ति का टोप और आत्मा की तलवार, अर्थात् परमेश्वर का वचन ले लो।

E. मलाकी 2:7 क्योंकि याजक को चाहिये कि वह अपने होठों से ज्ञान की रक्षा करे, और लोग उसके मुँह से व्यवस्था खोजे, क्योंकि वह सेनाओं के यहोवा का दूत है। **[H4397 malak ⚑] [H1847 daath ⚑] [H8104 shamar ⚑]**

क्योंकि याजक को चाहिये कि वह अपने होठों से ज्ञान की रक्षा करे + क्योंकि वह सेनाओं के यहोवा का दूत है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शामर (H8104, रखना/चौकसी करना) पहरेदार का शब्द है: पहरा देना, जिस प्रकार कोई मनुष्य किसी नगर की रखवाली करता है। ज्ञान को होठों पर भी रखा जाता है जैसे हृदय में — तैयार रखा जाता है, सत्य रखा जाता है, उनके लिए रखा जाता है जो उसके मुख से व्यवस्था को खोजने आते हैं। और ध्यान दो कि रखवाले को क्या कहा गया है: मलाक (H4397, दूत)। जो व्यक्ति ज्ञान की रक्षा करता है, वह एक भेजा हुआ मनुष्य है।)

F. नीतिवचन 15:2 बुद्धिमान ज्ञान का ठीक बखान करते हैं, परन्तु मूर्खों के मुँह से मूर्खता उबल आती है। **[H1847 daath ⚑] [H3956 lashon ⚑]**

बुद्धिमान ज्ञान का ठीक बखान करते हैं.

G. 1 पतरस 3:15 पर मसीह को प्रभु जानकर अपने-अपने मन में पवित्र समझो, और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ; **[G1680 elpis ⚑] [G627 apologia ⚑]**

हर एक व्यक्ति को उत्तर देने के लिए सर्वदा तैयार रहो + नम्रता और भय के साथ।

H. 2 तीमुथियुस 2:15 अपने आपको परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो। **[G3718 orthotomeo ⚑] [G4704 spoudazo ⚑]**

अपने आप को परमेश्वर के सामने ग्रहणयोग्य ठहराने का प्रयत्न कर + सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाने वाला।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सिपाही का प्रशिक्षण अध्ययन है। spoudazo (G4704, अध्ययन करना) स्ट्रॉन्स के अनुसार परिश्रमी होना, शीघ्रता करना है; और orthotomeo (G3718, ठीक से काटना) का अर्थ है सीधा काट लगाना। एक कारीगर सीधा काटता है, अन्यथा वह अपने काम से लज्जित होता है। वचन को सीधे तरीके से सम्भालो, और तुम्हें परमेश्वर के सामने या अन्य लोगों के सामने लज्जित होने की आवश्यकता नहीं होगी।)

I. दानिय्येल 11:32 और जो लोग दुष्ट होकर उस वाचा को तोड़ेंगे, उनको वह चिकनी-चुपड़ी बातें कह कहकर भक्तिहीन कर देगा; परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर का ज्ञान रखेंगे, वे हियाव बाँधकर बड़े काम करेंगे। **[H2388 chazaq ⚑] [H3045 yada ⚑]**

परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर का ज्ञान रखेंगे, वे हियाव बाँधकर बड़े काम करेंगे.

J. 2 तीमुथियुस 2:24 और प्रभु के दास को झगड़ालू नहीं होना चाहिए, पर सब के साथ कोमल और शिक्षा में निपुण, और सहनशील हो। **[G1317 didaktikos ⚑] [G1401 doulos ⚑]**

और प्रभु के दास को झगड़ालू नहीं होना चाहिए + पर सब के साथ कोमल और शिक्षा में निपुण, और सहनशील हो.

K. 2 तीमुथियुस 2:25 और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहचानें। **[G1922 epignosis ⚑] [G4236 praotes ⚑]**

और विरोधियों को नम्रता से समझाए → कि वे भी सत्य को पहचानें.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सिपाही के स्वभाव पर ध्यान दो। उसके शस्त्र सामर्थी हैं, फिर भी वह झगड़ा नहीं करता; वह सज्जन है, और नम्रता से शिक्षा देता है। और टैग को देखो: स्वीकार करना epignosis (G1922, knowledge) है, वह पूर्ण जानकारी — और परमेश्वर उसे देता है। हम ऊँची बात को गिरा सकते हैं; हम हृदय को नहीं खोल सकते। सेवक सिखाता है; प्रभु जानकारी देता है।)

L. 1 कुरिन्थियों 9:26 इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूँ, परन्तु बेठिकाने नहीं, मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूँ, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है। **[G4438 pukteuo ⚑] [G5143 trecho ⚑]**

इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूँ, परन्तु बेठिकाने नहीं + परन्तु बेठिकाने नहीं, मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूँ, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ धावक और सिपाही एक ही स्थान पर खड़े हैं, और ज्ञान ही वह चीज़ है जो उन्हें मूर्ख से अलग करती है। पौलुस अनिश्चितरूप से नहीं दौड़ता — वह मार्ग और अंत दोनों को जानता है। वह हवा से नहीं लड़ता — वह शत्रु और हथियार दोनों को जानता है। जो व्यक्ति जानता है कि उसने किस पर विश्वास किया है, वह एक जाने-पहचाने मार्ग पर दौड़ता है। अंतिम रेखा तुम्हारे सामने है।)

IV. अंतिम रेखा — ज्ञान, और वचन, सदा बना रहता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और यह अंत कोई दीवार नहीं है; यह एक चेहरा है। ध्यान दें कि गवाह क्या कहते हैं कि रेखा के पार क्या प्रतीक्षा कर रहा है: पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से परिपूर्ण है, हर कोई उसे छोटे से लेकर बड़े तक जानता है, और अधूरा भाग पूर्ण किया गया — आमने-सामने, वैसे ही जाना गया जैसे हम जाने गए हैं। और इस सबके नीचे वह वचन खड़ा है जिसने इसकी प्रतिज्ञा की थी, जो सदा तक स्थिर रहेगा।)

A. यशायाह 11:9 मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देगा और न हानि करेगा; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसा जल समुद्र में भरा रहता है। **[H1844 deah ⚑] [H4390 male ⚑]**

पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी।

B. हबक्कूक 2:14 क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है। **[H3519 kabod ⚑] [H3045 yada ⚑] [H4390 male ⚑]**

पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से परिपूर्ण होगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दो भविष्यद्वक्ता, एक पंक्ति, और एक बढ़ता हुआ वचन। यशायाह कहता है दे'आह (H1844, ज्ञान) — यहोवा का ज्ञान; हबक्कूक कहता है जानना — यादा (H3045, जानना) — यहोवा की महिमा का। और वह महिमा कहाँ देखी जाती है? प्रेरित पहले ही हमें बता चुका है: परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश, यीशु मसीह के मुख पर। पृथ्वी उससे भर जाएगी जिसे वह सिपाही अब अपने हृदय में लिए हुए है।)

C. यिर्मयाह 31:34 और तब उन्हें फिर एक दूसरे से यह न कहना पड़ेगा कि यहोवा को जानो, क्योंकि, यहोवा की यह वाणी है कि छोटे से लेकर बड़े तक, सब के सब मेरा ज्ञान रखेंगे; क्योंकि मैं उनका अधर्म क्षमा करूँगा, और उनका पाप फिर स्मरण न करूँगा।" (1 थिस्स. 4:9, प्रेरि. 10:43, 1 थिस्स. 4:9, इब्रा. 10:17) **[H5545 salach ⚑] [H3045 yada ⚑]**

वे सब मुझे जानेंगे, उनके छोटे से लेकर बड़े तक + मैं उनके अधर्म को क्षमा करूंगा।

D. 1 कुरिन्थियों 13:9 क्योंकि हमारा ज्ञान अधूरा है, और हमारी भविष्यद्वाणी अधूरी। **[G3313 meros ⚑] [G1097 ginosko ⚑]**

क्योंकि हमारा ज्ञान अधूरा है + और हमारी भविष्यद्वाणी अधूरी.

E. 1 कुरिन्थियों 13:10 परन्तु जब सर्वसिद्ध आएगा, तो अधूरा मिट जाएगा। **[G5046 teleios ⚑]**

परन्तु जब सर्वसिद्ध आएगा → तो अधूरा मिट जाएगा.

F. 1 कुरिन्थियों 13:12 अब हमें दर्पण में धुँधला सा दिखाई देता है; परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे, इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है; परन्तु उस समय ऐसी पूरी रीति से पहचानूँगा, जैसा मैं पहचाना गया हूँ। **[G1921 epiginosko ⚑] [G1097 ginosko ⚑]**

अब हम धुन्धले रूप में दर्पण में देखते हैं, परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे; उस समय मैं ऐसा जानूंगा जैसा मैं भी जाना गया हूं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोनों टैग को एक ही स्थान पर देखिए, और अंतिम रेखा को सुनिए। अब मैं जानता हूँ का अर्थ है ginosko (G1097, जानना); तब मैं पूरी तरह जानूँगा का अर्थ है epiginosko (G1921, पूरी तरह जानना) — वही पूर्णता जिसकी ओर हम पूरे मार्ग में भरे जा रहे थे। भाग में ज्ञान उस रेखा पर खोया नहीं जाता; भाग समाप्त हो जाता है क्योंकि पूर्ण आ गया है। दर्पण उतार दिया जाता है, और चेहरा वहाँ है।)

G. 2 तीमुथियुस 1:12 इस कारण मैं इन दुःखों को भी उठाता हूँ, पर लजाता नहीं, क्योंकि जिस पर मैंने विश्वास रखा है, जानता हूँ; और मुझे निश्चय है, कि वह मेरी धरोहर की उस दिन तक रखवाली कर सकता है। **[G4100 pisteuo ⚑] [G1492 eido ⚑]**

मैं जानता हूं कि मैंने किस पर विश्वास किया है + वह इसमें समर्थ है, कि जो कुछ मैंने उसे सौंपा है, उस दिन तक उसकी रक्षा करे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ जो जानने-शब्द है वह एइदो (G1492, जानना) है, जिसके बारे में स्ट्रॉन्स कहता है कि इसका वास्तविक अर्थ है देखना। अपनी दौड़ के अंत में पौलुस का जानना एक देखना है: मैं जानता हूँ किसको — केवल क्या नहीं, बल्कि किसको। ज्ञान की अंतिम रेखा कोई तथ्य नहीं है जिसे तुम पकड़े रहते हो; वह एक व्यक्ति है जिसे तुम देखते हो।)

H. यूहन्ना 17:3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें। **[G1097 ginosko ⚑] [G2222 zoe ⚑]**

और अनन्त जीवन यह है → कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है.

I. कुलुस्सियों 2:3 जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं। **[G1108 gnosis ⚑] [G614 apokruphos ⚑]**

जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — याद रखिए वह घुटनों के बल चलना: उसे चांदी की तरह खोजो, छिपे हुए खजानों की तरह उसकी खोज करो। यहाँ अंत में खजाने मिल जाते हैं, और ध्यान दीजिए कहाँ: उसी में। बुद्धि और ज्ञान के सारे खजाने, मसीह में छिपे हुए। खोजने वाला कभी केवल किसी वस्तु को नहीं खोज रहा था; वह आरंभ से ही एक व्यक्ति को खोज रहा था, और उसमें कुछ भी घटता नहीं है।)

J. यशायाह 40:8 घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25) **[H6965 qum ⚑] [H1697 dabar ⚑]**

घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है + परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25.

K. भजन संहिता 119:160 तेरा सारा वचन सत्य ही है; और तेरा एक-एक धर्ममय नियम सदाकाल तक अटल है। **[H571 emeth ⚑] [H1697 dabar ⚑]**

तेरा वचन आरम्भ से सत्य है, और सर्वदा के लिये है।

L. मत्ती 24:35 आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे। **[G3056 logos ⚑] [G3928 parerchomai ⚑]**

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे + परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मानव देह घास है, और यह दौड़ बीत जाती है; स्वर्ग और पृथ्वी स्वयं भी बीत जाएँगे; परन्तु उसके वचन कभी न टलेंगे। इस पुस्तक से तुमने उसके विषय में जो कुछ भी सीखा है, वह सब स्थिर रहता है, क्योंकि यह पुस्तक स्थिर रहती है। जो व्यक्ति परमेश्वर के ज्ञान के पीछे दौड़ता है, वह उस वस्तु के पीछे दौड़ता है जो सदा के लिए स्थिर रहती है — और वह वैसे ही जानेगा जैसे वह स्वयं जाना गया है।)

दो के मुख

यिर्मयाह 9:24 परन्तु जो घमण्ड करे वह इसी बात पर घमण्ड करे, कि वह मुझे जानता और समझता है, कि मैं ही वह यहोवा हूँ, जो पृथ्वी पर करुणा, न्याय और धार्मिकता के काम करता है; क्योंकि मैं इन्हीं बातों से प्रसन्न रहता हूँ। (1 कुरि. 1:31, 2 कुरि. 10:17) **[H3045 yada ⚑] [H1984 halal ⚑]**

जो घमण्ड करे, वह इस बात पर घमण्ड करे + कि वह मुझे समझता और जानता है।

फिलिप्पियों 3:8 वरन् मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूँ। जिसके कारण मैंने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त करूँ। **[G1108 gnosis ⚑] [G5242 huperecho ⚑]**

मैं सब वस्तुओं को हानि समझता हूं + मसीह यीशु अपने प्रभु के ज्ञान की उत्तमता के कारण।

1 यूहन्ना 5:20 और यह भी जानते हैं, कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उस सच्चे को पहचानें, और हम उसमें जो सत्य है, अर्थात् उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं। सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है। **[G1097 ginosko ⚑] [G1271 dianoia ⚑] [G1492 eido ⚑]**

परमेश्वर का पुत्र आ गया है + और उसने हमें समझ दी है, कि हम उसे जानें जो सत्य है।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे निजी विचार — तीन गवाह, और प्रत्येक उसके ज्ञान को सबसे ऊपर रखता है। यिर्मयाह कहता है, जो घमण्ड करे वह इस बात पर घमण्ड करे कि वह मुझे जानता है। पॉल मसीह के ज्ञान की उत्कृष्टता के कारण सब कुछ को हानि समझता है। यूहन्ना कहता है, पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उसे जानें जो सत्य है। महिमा, लाभ, और जीवन — दो या तीन गवाहों के मुख से यह बात स्थिर हो जाती है: उसे जानना ही धन है।)

छाया और पूर्णता

Shadow होशे 6:3 आओ, हम ज्ञान ढूँढ़ें, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा के समान हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिससे भूमि सींचती है।" **[H3045 yada ⚑]**

प्रभु को जानने के लिए आगे बढ़ते रहो + उसका निकलना भोर के समान निश्चित है।

Fulfillment मत्ती 11:27 "मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है, और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता; और कोई पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र और वह जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे। **[G601 apokalupto ⚑] [G1921 epiginosko ⚑]**

पिता को कोई नहीं जानता, सिवाय पुत्र के + और वह जिस पर पुत्र प्रकट करना चाहे।

Fulfillment **2 कुरिन्थियों 4:6** इसलिए कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, “अंधकार में से ज्योति चमके,” और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो। (यशा. 9:2) **[G1108 gnosis ⚑]**

हमारे हृदयों में चमक गया है + परमेश्वर की महिमा की पहचान का उजियाला यीशु मसीह के चेहरे पर प्रगट हुआ है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — होशे ने कहा, यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते चलें, और उसका आना भोर के समान निश्चित है। भोर आ गई। पुत्र के प्रकाशन के बिना कोई भी पिता को नहीं जानता; और परमेश्वर, जिसने आदि में अंधकार में से प्रकाश होने की आज्ञा दी, हमारे हृदयों में चमका है — और वह प्रकाश यीशु मसीह के मुख में उसकी महिमा का ज्ञान है। जिस ज्ञान के पीछे होशे चला, उसका अब एक मुख और एक नाम है।)

समापन

यशायाह 54:13 तेरे सब लड़के यहोवा के सिखाए हुए होंगे, और उनको बड़ी शान्ति मिलेगी। (भज. 119:165, यूह. 6:45) **[H3928 limmud ⚑]**

तेरे सब लड़के यहोवा के सिखाए हुए होंगे + और उनको बड़ी शान्ति मिलेगी। (भज. 119:165, यूह. 6:45.

यूहन्ना 6:45 भविष्यद्वक्ताओं के लेखों में यह लिखा है, ‘वे सब परमेश्वर की ओर से सिखाए हुए होंगे।’ जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है, वह मेरे पास आता है। (यशा. 54:13) **[G3129 manthano ⚑] [G1318 didaktos ⚑]**

वे सब परमेश्वर के द्वारा सिखाए हुए होंगे + जिस किसी ने पिता से सुना, और सीखा है, वही मेरे पास आता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब सारे मार्ग को घर तक समेटो। पहले घुटनों के बल चलना: यहोवा का भय ज्ञान का आरम्भ है; पुकारो, ढूंढो, चांदी के समान खोजो, और यहोवा देता है — उसके मुख से ज्ञान निकलता है। फिर चलना: उसमें बढ़ो, उसे मन में संचित करो, योग्यता से चलो, और उसमें प्रेम को बढ़ने दो, ताकि वह फुलाए नहीं। फिर दौड़ और युद्ध: परमेश्वर के ज्ञान के विरुद्ध खड़ी हर ऊँची वस्तु को गिरा दो, उसे अपने होठों पर रखो, नम्रता से अपना उत्तर दो, वचन को सीधा काटो। फिर अन्तिम रेखा: वह भाग जो मिट जाएगा, वह मुख जो देखा जाएगा, जाना जाएगा जैसे तू स्वयं जाना गया है, और वे सब खज़ाने जो मसीह में छिपे हुए पाए जाते हैं — और वह वचन जिसने यह सब प्रतिज्ञा की, सदा स्थिर रहता है। और यशायाह में उस चिह्न को देखो: लिम्मुद (H3928, सिखाया हुआ) स्ट्रॉन्ग का शब्द है सिखाए हुए के लिए, एक चेले के लिए। जिसने तुझे तेरे पहले कदम सिखाए, वह अब भी तुझे सिखाता है, और तेरे बाद तेरी सन्तान को भी — वे सब परमेश्वर से सिखाए जाएँगे। हर एक जिसने पिता से सीखा है, वह उसी के पास आता है। यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते चलो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. नीतिवचन 1:7 — यहोवा का भय मानना:
a) ज्ञान का आरंभ
b) बुद्धि का आरंभ
c) मूर्खों की शिक्षा

2. नीतिवचन 2:4-5 — यदि तू उसको चांदी की नाईं ढूंढ़े, और गुप्त धन की नाईं उसकी खोज करे; तब तू यहोवा के भय को समझेगा, और: -
a) अपने प्राण के लिये विश्राम पाना
b) परमेश्वर के ज्ञान को खोजना
c) यहोवा के ज्ञान को पाना

3. होशे 6:3 — तब हम जानेंगे, यदि हम:
a) यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते रहना
b) उसे चाँदी की तरह ढूंढ़ो
c) उसकी इच्छा पूरी करना

4. यूहन्ना 7:17 — यदि कोई उसकी इच्छा पर चलना चाहे, तो वह:
a) परमेश्वर के ज्ञान को पाना
b) अनुग्रह में बढ़ें
c) उपदेश को जान लेना

5. 2 कुरिन्थियों 10:5 — व्यर्थ कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो अपने आप को ऊंचा करती है, उसके विरुद्ध ढा देना
a) मसीह की आज्ञाकारिता
b) परमेश्वर का ज्ञान
c) सत्य का वचन

6. मलाकी 2:7 — क्योंकि याजक के होंठों में ज्ञान की रक्षा होनी चाहिए, और लोग उसके मुख से व्यवस्था पूछें, क्योंकि वह है:
a) एक कामकार जिसे लज्जित होने की आवश्यकता नहीं
b) प्रभु का सेवक

c) यहोवा की सेना के दूत

7. 1 कुरिन्थियों 13:12 — क्योंकि अब हम दर्पण में अनुमान से देखते हैं, परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे: अब मैं अपूर्ण रूप से जानता हूं, परन्तु उस समय:

a) मैं भी वैसे ही जानूंगा जैसे कि मैं जाना गया हूं
b) जो अधूरा है वह मिटा दिया जाएगा
c) हम अंशतः भविष्यद्वाणी करेंगे

उत्तर कुंजी: 1-a, 2-b, 3-a, 4-c, 5-b, 6-c, 7-a

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: याजक के होंठों को ज्ञान की रखवाली करनी चाहिए, क्योंकि वह सेनाओं के यहोवा का दूत है (मलाकी 2:7) — उस पद को उस राजकीय याजकपद के साथ रखें जो उसकी स्तुति प्रगट करता है जिसने तुम्हें अन्धकार से अपने अद्भुत उजियाले में बुलाया है (1 पतरस 2:9), जो अपने ही अध्ययन के लिए तैयार है।

नई वाचा इसे कैसे समझाती है: और वे फिर हर एक अपने भाई को और हर एक अपने पड़ोसी को यह सिखाकर न कहेंगे, कि यहोवा को जान लो, क्योंकि छोटे से बड़े तक सब मुझे जान लेंगे (यिर्मयाह 31:34) — और नया नियम इसे शब्दशः दोहराता है: मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में डालूंगा, और छोटे से बड़े तक सब मुझे जान लेंगे (इब्रानियों 8:10-11)। जो भविष्यद्वक्ता ने प्रतिज्ञा की, वह वाचा पूरी करती है।

शब्दों का महत्व इस प्रकार है: अभी मैं जानता हूँ, वह है GINOSKO (G1097, जानना); तब मैं भली-भाँति जानूँगा, वह है EPIGINOSKO (G1921, पूरी तरह जानना) — एक ही स्थान, दो शब्द (1 कुरिन्थियों 13:12); और सत्य को स्वीकार करना (2 तीमुथियुस 2:25) तथा उसकी इच्छा का ज्ञान (कुलुस्सियों 1:9) भी वही पूर्ण शब्द रखते हैं — चिह्नित करो कि कौन सा शब्द किस स्थान पर है, और क्यों।

यह अनंतता तक कैसे पहुँचता है: अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझे जानें (यूहन्ना 17:3) — और पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी (यशायाह 11:9); घुटनों के बल चलने में जो जानना आरम्भ हुआ, वह आकाश और पृथ्वी के परे भी बना रहता है, क्योंकि उसके वचन कभी न टलेंगे (मत्ती 24:35)।

भटकावा रास्ता: भले और बुरे के ज्ञान का वृक्ष पुस्तक के पहले द्वार पर खड़ा था (उत्पत्ति 2:9,17) — वचन के विरुद्ध लिया गया ज्ञान मृत्यु लाया; मसीह में दिया गया परमेश्वर का ज्ञान अनन्त जीवन है (यूहन्ना 17:3) — इसे खोज निकालो।

संभावित प्रकटीकरण: ज्ञान फुलाता है, परन्तु प्रेम बढ़ाता है (1 कुरिन्थियों 8:1), और पौलुस प्रार्थना करता है कि प्रेम ज्ञान में और भी अधिकाधिक बढ़ता जाए (फिलिप्पियों 1:9) — प्रेम के बाहर धारण किया गया ज्ञान मनुष्य को फुलाता है; प्रेम के भीतर धारण किया गया ज्ञान घर को बनाता है। पात्र प्रेम है; खजाना ज्ञान है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).